राजनीति-सिद्धांत का महत्व —

राजनीति-सिद्धांत के महत्व को विद्वानों द्वारा अविश्वास के साथ देखा गया है, जिनमें अधिकांश व्यवहारवादी विचार पद्धति के हैं। जॉन प्लैमैनाज, "दि इन आफ पोलिटिकल थ्योरी" नामक अपने निबंध में सहमत नहीं है। चूँकि वह लिखते हैं : राजनीति-दर्शन पर चुकी है, मैंने लोगों को कहते सुना है उन तर्कमूलक प्रत्यक्षवादियों व उनके उदारवादियों द्वारा मारा गया जो दिखा चुके हैं कि इन समस्याओं में से कई जो अतीत के महान राजनीतिक विचारकों को चिन्ता में डालती है, द्वि-अर्थों व भाषा के दुरुपयोग पर आधारित मिथ्या है"। उनके अनुसार राजनीति-सिद्धांत के महत्व को निम्न रूपों में कहा जा सकता है —

1. राजनीति-सिद्धांत एक गंभीर व नैतिक प्रशासनिक कार्यकलाप है और इस प्रकार के व्यवहार हेतु आवश्यक आधुनिक युग में बहुतः कहीं अधिक है।

ii यह मूल्यों मानदण्डों व लक्षणों लक्ष्यों का एक अध्ययन है, यद्यपि यह ठीक वैसी जानकारी प्रस्तुत नहीं करता जैसी की कि अनुभाविक राजनीतिक सिद्धांत करता है।

iii यह उन सिद्धांतों का एक अध्ययन है जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से, सशक्त रूप से मनुष्य की, स्वयं की व समाज की छवियों को प्रभावित किया है और उनके सामाजिक व राजनीतिक व्यवहार को गंभीरता से निर्धारित किया है।

iv इसमें सामाजिक रूप से अनुकूलित विचारधारा का एक तत्व है, यह विचारधारा एक दृष्टिभ्रम हो सकती है और फिर जब तक कि मनुष्य को ये दृष्टिभ्रम न होते सामाजिक विकास का पथ वो न हो जो है ; तथा

V यह राजनीति-सिद्धांतों की एक संसक्त व्यवस्था बनाता

है जो हमें एक उचित राजनीतिक कार्यवाई हेतु मार्गदर्शन कर सकता है। इसके राजनीति-सिद्धांत, जैसा कि मैकेनाल्श कहते हैं "• सिवकपर दुकानदारों की भाँती भाँति विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ उन सबका ठीक-ठीक वर्णन करते हुए और यह ग्राहक पर छोड़ते हुए कि उसे सबसे अच्छा क्या लगता है, प्रदर्शित करता है। वे सिद्धांतो का एक तारतम्य पैदा करते है और यह स्पष्ट करने का प्रयास करते हैं कि मनुष्य अपने विकल्पों को चुनने के लिए उनका किस प्रयोग प्रकार प्रयोग करें... वे विचारों के उपदेशक और प्रचारक है।

सी. राइट मिल्स लिखते है "राजनीतिक मिमांसाएँ प्रश्नात्मक व नैतिक रचनाएँ है। उनमें उच्च विचार, सरल आदर्श वाक्य, संदिग्ध तथ्य, अपक्व प्रचार व परिष्कृत सिद्धांत शामिल है।" इनके अनुसार राजनीति-सिद्धांत के महत्व इस प्रकार है—

i. प्रथमतः यह स्वयं ही एक सामाजिक सच्चाई है यह इस लिहाज से एक विचारधारा है कि कुछ संस्थाएँ व प्रथाएँ सही ठहराई जाती है और अन्य पर आक्षेप लगाया जाता है। यह शब्द प्रयोग शैलियाँ प्रदान करता है, जिसमें माँगे उठायी जाती है, आलोचनाएँ की जाती है, परामर्श दिए जाते है, घोषणाएँ सूत्रबद्ध की जाती है और यदाकदा नीतियाँ निर्धारित की जाती है।

ii. दूसरे, यह एक आचार नियमावली आदर्श है जो सामान्यतः व क्रियमता के विभिन्न स्तरों पर मनुष्य, घटनाओं व आंदोलनों की परखने में और आकांक्षाओं व नीतियों हेतु लक्ष्यों व दिशा निर्देशों के रूप में प्रयोग की जाती है।

iii. तीसरे, यह कर्म के सुधार क्रांति व परिरक्षण के साधनों के अभिलक्षणों को नामोदिष्ट करता है। इसमें व रणनीतियाँ व कार्यक्रम शामिल है जो साधनों व साध्यों दोनों को प्रस्तुत करते है। संक्षिप्ततः यह उन ऐतिहासिक स्तरों को अभिहीत करता है जिनके द्वारा आदर्शों पर विजय प्राप्त करनी होती है अथवा उन्हें जीत लेने के बाद कायम

रखना होता है।

iv चौथे, इसमें मनुष्य, समाज व इतिहास के सिद्धांत सम्मिलित हैं अथवा कम से कम इस बारे में कल्पनाएँ कि इन्हें मिलकर समाज कैसे बना है और यह कैसे कार्य करता है। यह बताता है कि वह किस प्रकार हुई कि हम कहाँ खड़े हैं और कहाँ हम संभवतः जा रहे हैं।

राजनीति-सिद्धांत उस ~~सिद्धांत~~ संसार को पूरी तरह समझने पर अभिलाषित है, जिसमें यह जन्म लेता है। यह इसके मुख्य लक्षण को पहचानने, इसके संकट को समझने का प्रयास करता है तथा उस संकट का समाधान करने हेतु इसकी क्षमता का निर्धारण करता है। राजनीति-सिद्धांत मनुष्य को स्वयं को स्वयं के बाद, उसके राजतंत्र व उसके इतिहास को समझने की क्षमता में योगदान देता है। यह मनुष्य को अपने निजी सामान्य कामों का नियंत्रण अपने हाथ में लेने को प्रेरित करता।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि राजनीति-सिद्धांत उच्चतम राजनीतिक व्यवस्था का एक आदर्श खड़ा करता है, विवेकवत् सन्चय हेतु एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है और राजनीतिक आंकड़ों का एक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। एक विज्ञान के रूप में राजनीति-सिद्धांत राजनीतिक यथार्थता की व्याख्या उस बात पर निर्णय लेने की चेष्टा किए बगैर करता है जिसका वर्णन किया जा रहा है। एक दर्शन के रूप में यह उन आचार नियमों की व्याख्या करता है जो सभी के लिए उत्तम जीवन सुनिश्चित करने में मदद करता है।